कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

Current AFFAIRS

नोबेल पुरस्कार 2023

आज के विषय

- नोबेल पुरस्कार 2023
- बिहार में जाति आधारित गणना
- वैश्विक आतंकवाद सूचकांक- 2023
- नेट न्यूट्रैलिटी

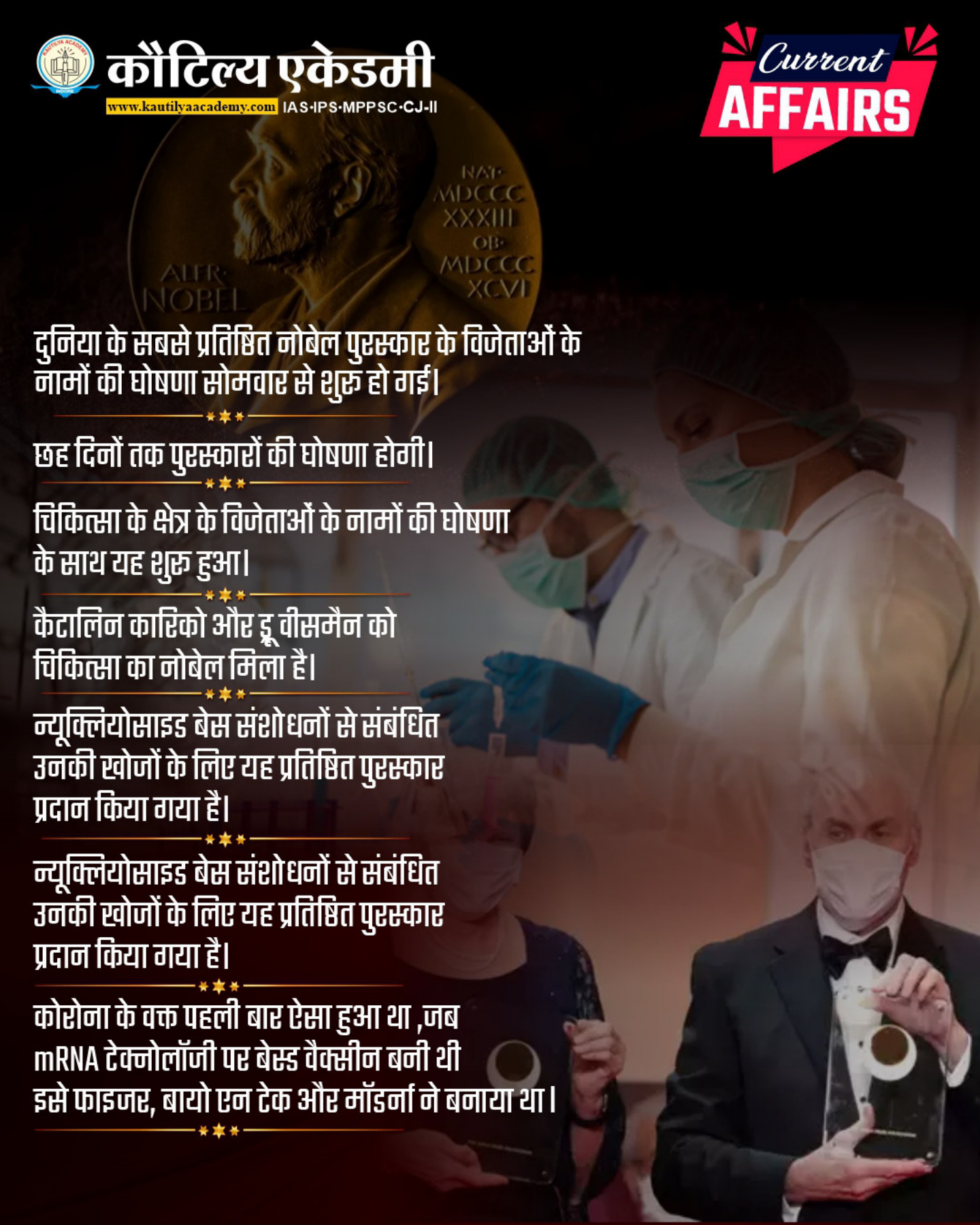

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार के विजेताओं के नामों की घोषणा सोमवार से शुरू हो गई।

छह दिनों तक पुरस्कारों की घोषणा होगी।

चिकित्सा के क्षेत्र के विजेताओं के नामों की घोषणा के साथ यह शुरू हुआ।

कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल मिला है।

न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है।

न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कोरोना के वक्त पहली बार ऐसा हुआ था ,जब mRNA टेक्नोलॉजी पर बेस्ड वैक्सीन बनी थी इसे फाइजर, बायो एन टेक और मॉडर्ना ने बनाया था।

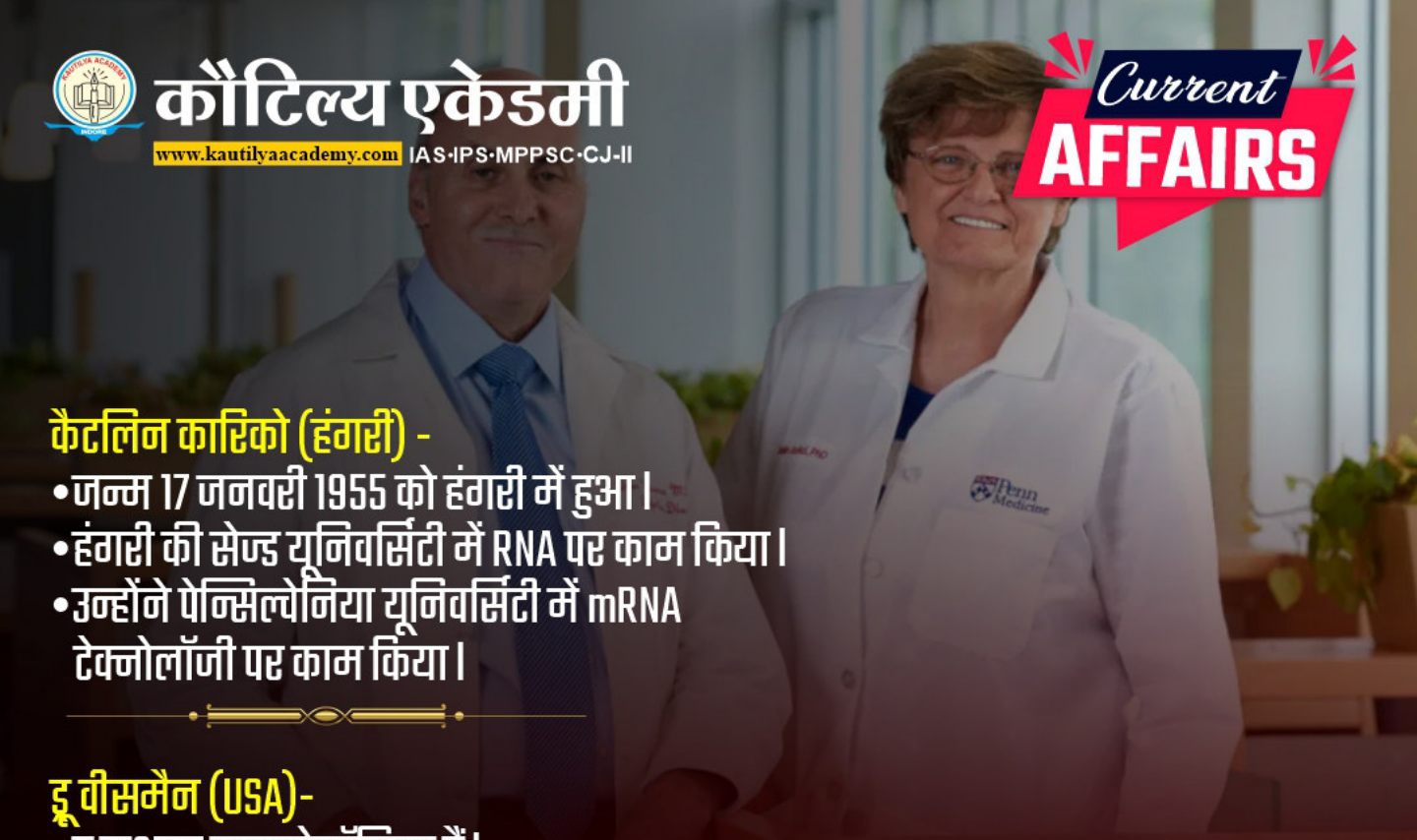

कैटलिन कारिको (हंगरी) -

- जन्म 17 जनवरी 1955 को हंगरी में हुआ।
- हंगरी की सेज्ड यूनिवर्सिटी में RNA पर काम किया।
- उन्होंने पेन्सिल्वेनिया यूनिवर्सिटी में mRNA टेक्नोलॉजी पर काम किया।

ड्रू वीसमैन (USA)-

- ड्रू मशहूर इम्युनोलॉजिस्ट हैं।
- 2005 में ड्रू और कारिको ने एक रिसर्च पेपर छापा जिसमें दावा किया कि मॉडिफाइड mRNA के जरिए इम्युनिटी बढ़ाई जा सकती है।

नोबेल पुरस्कार-

- पहली बार दिया गया 1901
- क्षेत्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य, - अर्थशास्त्र और शांति।
- पुरस्कार राशि - 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा क्राउन (आठ करोड़ दस लाख रुपये)।
- यह पुरस्कार अलफ्रेड नोबेल के नाम पर दिए जाते हैं।
- अल्फ्रेड नोबेल डायनामाइट के आविष्कारक थे।
- हर साल 10 दिसंबर को यह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- शांति का नोबेल पुरस्कार छोड़कर सभी पुरस्कार स्वीडन में दिए जाते हैं।
- शांति का नोबेल पुरस्कार नॉर्वे में दिया जाता है।
- 1968 में स्वेरिजेस रिक्सबैंक ने आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार की स्थापना की थी लेकिन पहली बार 1969 में दिया गया था।

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

बिहार में जाति आधारित गणना

किस जाति में कितनी आबादी

- यादवः-14.26%
- रविदासः-5.2%
- कुशवाहा;-4.27%
- ब्राह्मण;-3.67%
- राजपूत;-3.45%
- मुसहर;-3.08%
- भूमिहार;-2.89%
- कुरमी;-2.87%
- मल्लाह;-2.60%
- बनिया;-2.31%

जाति आधारित गणना में धर्म से जुड़े आंकड़े

- हिंदू :-81.9
- मुसलमान :-17.7
- ईसाईः-0.0576
- सिख ;-0.0113
- बौद्धः-0.0851
- जैन;-0.0096

Current AFFAIRS

Current AFFAIRS

बिहार में जाति आधारित गणना की रिपोर्ट जारी कर दी गई है।

बिहार के अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने जाति गणना के आंकड़े पेश किए हैं।

बिहार, जातीय गणना के आंकड़े जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है।

जातिगत सर्वे के मुताबिक बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ के करीब है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछड़ा वर्ग 27.12 प्रतिशत, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग 36.01 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत और अनारक्षित यानी सवर्ण 15.52 प्रतिशत हैं।

प्रदेश की जनसंख्या में बिहार के बाहर में रहने वालों की संख्या 53 लाख 72 हजार 22 है।

गणना के अनुसार 1000 पुरुषों पर 953 महिलाएं हैं।

जनवरी 2023 में बिहार में जातीय गणना शुरु हुई थी

कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2023

Current AFFAIRS

Current AFFAIRS

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (IEP) द्वारा प्रकाशित दसवें वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) की रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान लगातार चार वर्षों से आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना है।

आतंकवाद के प्रभाव के आधार पर सूचकांक में 163 देशों को रैंक प्रदान की गई है।

इस्लामिक स्टेट (IS) और उसके गठबंधन 2022 में दुनिया के सबसे घातक आतंकवादी समूह बने रहे।

सूचकांक में भारत 13वें स्थान पर है।

पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रैंकिंग में मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

इस सूचकांक में बुर्किना फासो को दूसरे और सोमालिया को तीसरे स्थान पर रखा गया है।

पाकिस्तान 6वें स्थान पर है।

दक्षिण एशिया विश्व में सबसे खराब औसत GTI स्कोर वाला क्षेत्र बना हुआ है।

2022 में विश्व भर में सबसे घातक आतंकवादी समूह, इस्लामिक स्टेट (IS); अल-शबाब; बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) और जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल मुस्लिमीन (JNIM) रहा।

रिपोर्ट में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) को 2022 में 12वें सबसे घातक आतंकवादी समूह के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (GTI):- विश्व की 99.7 प्रतिशत आबादी को कवर करने वाले 163 देशों पर आतंकवाद के प्रभाव का विश्लेषण करने वाला एक व्यापक अध्ययन है।

GTI प्रत्येक देश को 0 से 10 के पैमाने पर स्कोर करता है; जहां 0 आतंकवाद से कोई प्रभाव नहीं दर्शाता है और 10 आतंकवाद के उच्चतम मापने योग्य प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है।

नेट न्यूट्रैलिटी

हाल ही में ट्राई ने 'ओवर-द-टॉप (OTT) संचार सेवाओं के लिए विनियामक तंत्र और OTT सेवाओं पर चयनात्मक प्रतिबंध के संबंध में पर एक परामर्श पत्र जारी किया है।

इसके चलते फिर से नेट न्यूट्रैलिटी को लेकर बहस छिड़ गई है।

नेट न्यूट्रलिटी सभी ऑनलाइन कंटेंट और सेवाओं के लिए एक मुक्त व समान अवसर की वकालत करने वाला सिद्धांत है।

यह सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि इंटरनेट सेवा प्रदाता (ISPs) कंटेंट, उनके स्रोत या उनके गंतव्य के आधार पर भेदभाव किए बिना या अलग-अलग शुल्क लिए बिना सभी के साथ एक समान व्यवहार करे।

दूरसंचार विभाग (DoT) ने 2018 में नेट न्यूट्रैलिटी पर विनियामकीय फ्रेमवर्क जारी किया था।

यह कुछ अपवादों के साथ भेदभाव नहीं करने के सिद्धांत का समर्थन करता है।

Current AFFAIRS